

से बच सकें। यही मुख्य विषय है जिसका इस विशेष उल्लंघन के जरिए मैं सदन का ध्यान आकर्षित करता हूँ।

**Beating up of Sink Weavers by U.P.
Handloom Corporation Officials in
Varanasi**

श्री भुहम्बद प्रभोन् प्रांतारी (उत्तर प्रदेश) : महोदय, उत्तर प्रदेश में आजकल बुनकर दुष्मनी और अफसराशा ही इतनी बढ़ी है कि गरीब बुनकर व जननाता का जीना दूभर हो गया है। इसकी ताजा मिसाल बनारस शहर में 22 नवम्बर के य००१० हैंडलूम कार्पोरेशन सिल्क प्रोजेक्ट के आफिसर और इससे घट बदनाम कर्मचारियों के ढारा बेगुनाह बुनकर जो दुनिया भर में अपनी कारीगरी के लिए मशहूर हैं आज रेशम की गिरानी की बजाए से एक एक धागे के मोहताज हैं। बिला किसी इथित्यल के लाठी, डड़े और लोहे सरियों से पिटाई की बारदात है। यह अपने में इतना घिनौना जूम्ह है जिसकी न सिर्फ निदा की जानी चाहिए बल्कि कसूरधार पाए जाने वाले कर्मचारियों को फौरन बर्खास्त कर देना चाहिए ताकि फिर किसी को कानून अपने हाथ में लेने की हिम्मत न हो सके।

महोदय, भारत सरकार ने जो रेशम आपात्काल की हालत में आयात किया था उसके कार्ड व साड़ी खरीदारी के संबंध में बेचारे गरीब बुनकर उपरोक्त प्रोजेक्ट अफिसर से मिलने गए थे जिनको जी भर कर मारा और पीटा गया। महोदय, केन्द्रीय सरकार यू.पी. हथकरघा निगम और यूपिका, दोनों संस्थाओं को करोड़-करोड़ रुपया अनुदान सर्विसडी वगैरह इमदाद बुनकरों को सहायता के लिए देती है, मगर इसका फायदा गरीब बुनकरों को न मिल कर अफसरों और कमेंचारियों की साजिश से इन्हीं के अपने रिश्ते नातेदारों को मिल रहा है। इस तरह सरकार द्वारा अच्छी नीयत से चलाई गई परियोजनाओं का दुरुपयोग हो रहा है, जिसकी रोकथाम बहुत जरूरी

है। मेरी आपके द्वारा मांग है कि यूपिका, यू.पी. हथकरघा निगम को जो भी भद्र केन्द्र सरकार से मिलती है वह किलहाल रोक दी जाए। मान्यवर, मैं आपके मार्फत से यह कहना चाहता हूँ कि ऐसे तमाम यू.पी. हथकरघा निगम व यूपिका के घट्ट, वेईमान और रिहवत खोर जालिम गड़े अफसरों के छिलाफ़ सी.बी.आई. के द्वारा भ्रष्टाचार की जांच करा कर कड़ी सजा दी जाए। मान्यवर, इस उपलब्धि में मैं यह भी बतलाना चाहूँगा कि यू.पी. हथकरघा निगम और यूपिका कन्ट्रोल व्याथ, उनता धोतियाँ जो सिर्फ़ गरीबों के लिए तंथर होती हैं वह उनको न मिल कर दलालों, एजेंटों के जरिए लैंक होकर भयरा, कानपुर, उन्नाव, फर्रख़ाबाद और उरहो पर नाजायज़ तौर से भेजी जा रही हैं, मेरी मांग है कि उनता धोती और दूसरे कन्ट्रोल व्याथ को इशेशियल कमोडिटीज एक्ट के तहत और सूत्र व रेशम की जखीरां दोजी करने वालों के छिलाफ़ एक्ट बनाया जाए ताकि इस तरह की गलत बिक्री व मुनाफाखोरी पर रोकथाम हो सके।

महोदय, मेरे तीन सुझाव फिलहाल और हैं। पहला यह है कि रेशम सिल्क की कीमत 20/22 बगैरह डीनिया का दाम की किलो 750 रुपया से बढ़कर 1250 रुपया की किलो हो गया। रेशमी साढ़ी सनत महंगाई से तबाह व बद्धिमत्ता हो रही है। केन्द्रीय सरकार इस रेशमी साढ़ी की इज्जीज सनत को रेशम इंपोर्ट करके उसी दाम पर (750/- रु.) बुनकरों को मूहैया करे। यह केन्द्र और प्रदेश सरकार की जिम्मेदारी है; दूसरा, इन संस्थाओं को बदउनवासी से बचने के लिए जो पुराने काँड़े वाराणसी, मुम्बारकपुर, मठनाथभञ्जन, गोरखपुर व मेरठ बगैरह में सूत और रेशम बिक्की व कपड़ा खरीदारी के लिए कार्ड बनाए गए हैं जो जाली हैं उनको खरीद करके फिर से सर्वे कराकर नए कार्ड बनाए जाए। तीसरा, यूपिका और य.पी. हथकरघा निगम में आने से पहले जो अधिकारी किसी पद पर कानपुर में

[شیء یوہممد ایمن انسانی]

رہ رکھے थے उनका تباہ دل، تुरنٹ हथकرघा نیگم اُور یوپیکا سے ہونا چاہیے، کامیک وہاں کی راجनیتی اُور گڈا پالنے مें उनकी اُपنی میسال है और بदउनवानियों का بولबाला है।

मेरे पास बहुत से अखबारों की कटिंग है लेकिन समय आप हमें कम देंगे, मेरे पास वाराणसी के जागरण, स्वतंत्र भारत, आज, जनवारी और श्रावाज मुल्क वर्गरह अखबारात की कटिंग हैं जो कि मैं आपकी खिदमत में भेज रहा हूँ। मैं इंसाफ का मतालबा करना चाहता हूँ। अमीन, अमीन सारे उत्तर प्रदेश में साढ़े छः लाख हथकरघा हैं और 90 हजार के करीब पावरलैम हैं जिनमें 20-25 लाख लोगों की जीविका चलती है जिन पर ये ज़म्म और ज्यादतियां ढाई जा रही हैं। मान्यवर, मैं आपके द्वारा इंसाफ चाहता हूँ और चाहता हूँ कि जिन लोगों ने ज्यादतियां और बदउनवानियां की हैं उनको कड़ी سजा दी जाए। इसकी मेरी आपसे मांग है और इसकी गुजारिश करता हूँ। क्या मैं इन कटिंगों को दे सकता हूँ?

उपसभाध्यक्ष (श्री बी. सत्यनारायण थेड़ी) : आप उनको भेज दीजिए। यहा भेजने की जरूरत नहीं है आप उन्हें संबंधित मंत्रालय को भेज दीजिए।

† [شہری محمد احمد انصاری]
(انور پوریدیہن) : مہودے - انور پوریدیہن میں آجکل بلکہ دشمنی اور افسوس شاهی اتنی بڑی ہوئی ہے کہ غریب بلکہ اور چلتا کا جیلنا 5,000 हो گیا ہے - اسکی تازہ مثال بندارس ہے میں 12 نومبر کو یو-پی-پی-ہلینڈ 100 کارپوریشن سلک پروجھے کے افیسروں اور دوسرے بھاشت بدنام کو متھاپیوں کے دواڑا یہ گلنا بلکہ چو ڈنہا ہو میں اپنی کارپوری کھانے میہد ہوں گے -

† Transliteration in Arabic Script.

اچ دیہم کی گدائی کی وجہ سے ایک ایک دھائے کھلکھلے محتاج ہیں بلا کسی اشتعال کے لئے - قندے اور لوہے کے دریہ سے پتانی کی واردات ہے - یہ اپنے آپ میں اتنا کوہمنا جنم ہے جسکی نہ صرف نہادا کی جانبی چھائی بلکہ تصویب اور پائیں جائے والے کرمچاہیوں کو فودا بخواست کر دیتا چاہے - تاکہ پور کسی کو قانون کو اپنے ہاتھ میں لے لیے کی ہے -

مہودے - بھارت سوکار لے جو دیہم آپاس کال کی حالت میں آپیات کہا تھا اسکے کا ذہن و ساری خردہادی کے مہندھ میں ہے جاوے غریب بلکہ اپروکٹ پروجھے کت افیسروں سے ملکے لئے تھے - جن کو جو بھر کا مارا اور پہتا کہا - مہودے - کھلدریہ سوکار یو - پی - ہم کو کہا نکم اور پوپکا - دونوں سنسٹھہماں کو کروزہا کروزہا کروزہا دوڑھا انودان سہسٹی دیہم وغیرہ امداد بلکروں کو سہائیں گے کھلگھلے ہے - مگر اسکا فائدہ غریب بلکہ کو نہ ملکو افسروں اور کرمچاہیوں کی مازعن سے انہوں کے اپنے دشنه ناطے داروں کو مل رہی ہے - اس طرح سوکار دوادا اجوئی نیت سے چھائی لگئی ہو جلاؤں کا درپھوک ہو رہا ہے - جسکی روک تھام بہت ضروری ہے - میری آپا کے دواڑا مانگ ہے کہ پوپکا - یو - پی -

ہتھیکرگئیا نکم کو جو بھی مدد کھلدو سوکار سے ملتی ہے ۔ وہ فی الحال روک دی جائے۔ مانیہ دو مہن آپ کے معرفت سے یہ کہنا چاہتا ہوں کہ ایسے تمام ہو ۔ پی ۔ ہتھیکرگئیا نکم و پوپیکا کے بھروسہ بے احسان اور رشوش خور ظالم غلطی افسروں کے خلاف سی۔ بھی ۔ آپ ۔ کے دوارا بھرھٹا چار کی جانبی کراکر کوئی سزا دی جائے۔ مانیہ دو ۔ اس، اپنکے میں ڈھن یہ بتانا چاہونا کہ یو ۔ پی ۔ ہتھیکرگئیا نکم اور پوپیکا کلترول کاٹے ۔ جلتا دھو قہاں جو صرف فریبیوں کھلکھلے تھا دھوتی ہوں وہ انکو نہ مل گر دالوں۔ ایچھتوں کے دریعہ بلکہ ہو گر متھرا۔ پانہوں اندھا۔ لونج آباد وغیرہ جگہوں پر جاکر مادر ہو ۔ جما رہی ہیں۔ مہری مانگ ہے کہ جنتا دھوتی اور دوسرے کلترول کاٹے کو اسٹینھیل کمودتیز ایکٹ کے تتحصی اور سوت و دیشم کی ذخیرہ انزوڑی کرنے والوں کے خلاف ایکٹ بدلایا جائے۔ تاکہ اس طرح کی غلط بکری و ملائی خودی پر روک تھام ہو سکے۔

مہرے مہرے میں تین سچھاں فی الحال اور ہیں ۔ بہلا یہ ہے کہ دیشم سلے کی قیمت ۱۰/۲۲ دفعہ قیلیہ کا دام فی کاو ۷۵۰ دوپٹے سے بوجہ بکر بارہ سو پچھاس دوپٹے فی کلو ہو گہا۔ دیشی سازی صنعت مہنگائی سے تباہ، برباد ہو گئی ہے۔ کھلڈیہ سوکار اس دیشم سازی کی

عظمی صنعت کو دیشم امہوت کرکے اسی دام پر سازھ ساتھ ہو دوپٹے بلکروں کو مہیا کرے ۔ یہ کھلڈر اور پر دیش سوکار کی ذمہداری ہے۔ دوسرا ان سذشتہاں کو بد علوانی سے بچانے کھلٹے جو پرالہ کارہ وادانسی۔ مبارکبورو ۔ مگناتو بھلجن ۔ کورکھو ۔ و میرتہ وغیرہ میں سوت اور دیشم بکرو ۔ کھوڑا خریداری کھلٹے کارہ بدانے کا ہیں ۔ جو عملی ہیں انکو ختم کوک پھر س سوہ کراکو نئی کارہ بدانے جائیں ۔ تھسدا پوپیکا اور ہو ۔ پی ۔ ہتھیکرگئیا نکم میں الہ سے پہلے جو ادھیکاری کسی پر پر کانہوں میں وہ دھ تھے انکا تبادلہ ترقیت ہتھیکرگئیا نکم اور پوپیکا سے ہونا چاہئے ۔ کیونکہ وہاں کی دلیں نہ چھوڑیں اور ملٹا یمالٹے میں انکی ایکی مثال ہے اور یہ علوانوں کا بول بلا ۔

سلوے پاس بہت سے اخباروں کی کلٹک ہے لہکن سے آپ ہمیں کم دہلکے ۔ مہرے پاس وادانسی کے چاگرے سوتھر بوارت۔ آج ۔ جن وادتا اور آواز ملک ۔ وغیرہ اخبارات کی کلمتو ہیں جو کہ میں ایکی خدمت میں بھیج دھا ہوں ۔ میں انصاف کا مطالعہ کرنا چاہتا ہوں ۔ آمہن ۔ امہن سارے ان پر دیش سچھاں سازھ سازھ چھ لاؤ ہتھیکرگئیا ہے نور ہزاد کے قریب پاوار لوم ہیں۔ جملیں بیس پچھومن لاکہ لوگوں کی جو پیکا چلتی ہے۔

جن ہے ٹلم اور زیادتیوں ڈھائی جا دھی ہیں - مانگوں میں آپ کے دراوا انصاف چاہتا ہوں اور چاہتا ہوں - کہ جن لوگوں نے زیادتیاں اور بد علوانیاں کی ہوں انکو کوئی سزا دی جائے - اسکی صورتی آپ سے مانگ ہے - اور اسکی کمزوری کرتا ہوں - کہا میں ان کنینگز کو دے سکتا ہوں -

شیعیہ دیش دلت یادب (उत्तर प्रदेश) : उपसभा प्रक्षम जो, मैं एसोसियेट करता हूँ। यह बड़ा गंभीर मामला है। मैं बनारस के करोब का रहने वाला हूँ, वहां बून करां के ऊपर बुरी तरह ने लाठी चार्ज हुप्रा और सिल्क उद्योग का जो पूरी दुनियां में नाम है, वह बनारस के बूनकरां की बजह से है। अब उनके ऊपर ज्यादती हुई है, केन्द्र सरकार को इसमें हस्तक्षेप करना चाहिए। मैं इस विशेष उल्लेख का पूरा समर्थन करता हूँ, एसोसियेट करता हूँ।

Need for introduction of Urdu News Bulletin on Doordarshan Daily

श्री मुहम्मद खलीलुर रहमान (आनंद प्रदेश) : जनाब वाइस चेयरमेन साहब, उर्दू एक हिंदूस्तानी जुबान है और लाखों-करोड़ों लोग उर्दू बोलते हैं, उर्दू पढ़ते हैं और उर्दू लिखते हैं। यह जुबान पूरे मुल्क में बोली जाती है। खासतौर पर उत्तर प्रदेश, बिहार, आनंद प्रदेश, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, राजस्थान, दिल्ली, हस्तियाणा और वेस्ट बंगाल में इस जुबान के बोलने वाले काबिले लिहाज तादाद में मीजूद हैं। चुनांचे इन्हीं रियासतों के जानिब से उर्दू की तरक्की, उर्दू की फरोग के लिए उर्दू अकादमी कायम की गई है। इससे भी बाज़ह सबूत मिलता है कि उर्दू बोलने वालों की इन रियासतों में काबिले लिहाज तादाद मीजूद है।

गोप्रा हमारे पास जो गवर्नमेंट मीडिया है, खासतौर से दूरदर्शन, दूरदर्शन पर उर्दू को बिल्कुल नज़रअंदाज

कर दिया गया है। उर्दू बोलने वाले, उर्दू समझने वाले दूरदर्शन से जिस तरह से हस्तफादा हासिल करना चाहते हैं, यह हासिल नहीं कर रहे हैं। आज न तो दूरदर्शन से कोई उर्दू न्यूज ब्लैटिन का इंतजाम किया गया है और न ही उर्दू प्रोग्रामों के लिए कोई काफी वक्त दिया जाता है। लिहाजा मेरी यह दरखास्त है मिनिस्टरी आफ इकोरमेशन एंड ब्रॉडक स्टिंग से इस स्पेशल मेंशन के जरिए कि फौरी दूरदर्शन पर नेशनल प्रोग्राम में एक उर्दू न्यूज ब्लैटिन का इंतजाम करें। यह वक्त की एक अहम जरूरत है ताकि उर्दू बोलने, समझने वालों को सहिलियत हो। मुझे पूरी तवकोह है कि इकूमते हिंद इस जानिब अपनी तवज्ज्ञोह मबजूल करते हुए यकीनन हमदरदाना दूरदर्शन से उर्दू ब्लैटिन न सिर्फ करने का, दिखाए जाने का प्रोग्राम जल्दी में जल्दी शुरू करेगा।

+**شہری خلیل الرحمن (آندھرا پ्रदेश) :** جناب والیس چھر میں صاحب ادو ایک ہندوستانی زبان ہے - اور "کہوں کروؤں لوگ اور بولتے ہیں - اردو بجهتے ہیں اور اردو لکھتے ہیں - بے زبان بودے ملک میں بولی جاتی ہے - خاص طور پر اردو پڑیہس - بہار - آندھرا پردیہس - مددھیہ پردیہس - کرناٹک - مہما و اشتر - راجستھان - دلی ہویانہ اور ویسٹ بلکال میں اس زبان کے بولنے والے قابل لمحاظ تعداد میں موجود ہیں۔ چنانچہ انہیں دیباسقوں کی جانب سے اردو کی ترقی کیلئے - اردو کے فروع کیلئے اردو اکادمی قائم کی گئی ہے - اس سے ہی دفعہ تیوس ملدا ہے کہ اردو ہولنے والوں کی ان دیباسقوں میں قابل لمحاظ تعداد موجود ہے -

+Transliteration in Arabic Script